

आज का पंचांग

कोलकाता : 5 जनवरी, रविवार, 2025, विक्रम सम्बत् 2081, औषधि शुक्लपक्ष षष्ठी, 20:14 तक, नक्षत्रः पूर्वभाद्रपदा, 20:08 तक, योगः व्यतीपाता, 07:26 तक, सूर्योदयः 6:19, सूर्यास्तः 17:06 चन्द्रोदयः 10:14, चन्द्रास्तः 22:28, शक सम्बतः 1945 सुभास्कुतु, सूर्य राशि धनु, चन्द्र राशि : कुम्भ, राहु काल : 15:42 से 17:02

सामाजिक : दायिनी
05-01-25 से 11-01-25

मेष : चूं, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ : इस सप्ताह इस राशि के जातकों का समय चुनौतीपूर्ण रहेगा। जातक के कार्यों में थोड़ा विलम या प्रशासनियां आ सकती हैं। इसलिए सावधानी बनाये रखें। विधिएं एवं प्रतिस्पर्धी सक्रिय बने रह सकते हैं जो जातक के कार्यों में चुनौतीयां खड़ी कर सकते हैं। कोट-कचेरी के मामलों में भी प्रशासनियां बनी रह सकती हैं। इसलिए सावधानी बनाये रखें। खिलाड़ियों के लिए भी समय थोड़ा सुधौतिर्पूर्ण बना रह सकता है। किसी खेल-प्रतिस्पर्धा में विजय न मिलने से जातक चुनौती महसूस कर सकता है।

वृष्णु : ई, ऊ, ए, ओ, वा, वी, वू, वे, वो : इस सप्ताह इस राशि के जातकों का समय मिला-जुला रहेगा। जातक के कार्यों में थोड़ा प्रेसोनी आ सकती है। जातक अपनी सुख-बुझ एवं कर्मठता से हर स्थिति को अनुकूल बनाने एवं पर्टी पर लाने में सफल हो सकता है। पढ़ाई-लिखाई में भी अधिक परिश्रम के बाद सफलता मिल सकती है। घृणा-विवर भी जातक के मिल सकता है। अच्छे मकान या बाहर खिरीदाने का योग जातक के बाद सकता है। व्यवसायिक दृष्टि से सप्ताह अनुकूल होने के कारण जातक बाजार एवं शेयर-मार्केट में पूँजी निवेश करेगा तो बड़े लाभ की स्थिति बन सकती है।

कर्क : ही, है, हो, हा, डा, डी, डू, डे, डो : कर्क राशि के जातक यदि इस सप्ताह अपने कार्य सुखबाहु और योजनाबद्द तरीके से करते हैं तो उन्हें उम्मीद से कहीं ज्यादा सफलता मिल सकती है। इस सप्ताह आपको करियर और कामबाजार से जुड़े बड़े अवसर हाथ लग सकते हैं। नौकरीपेशा लोगों पर उके सीनियर मेहमान रहते हुए कोई बड़ी जिम्मेदारी सौंप देते हैं। योगी ही इस राशि के लिए अधिक परिश्रम और प्रयास करते हैं लेकिन आपको उसे निभाने के लिए अधिक सुख-सुविधा प्राप्त हो सकती है। सावधानी बनाये रखें। घृणा-फिले का अवसर जातक को मिल सकता है। व्यवसायिक दृष्टि से सप्ताह अनुकूल होने के कारण जातक बाजार एवं शेयर-मार्केट में पूँजी निवेश करेगा तो बड़े लाभ की स्थिति बन सकती है।

मिथुन : का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह : इस सप्ताह इस राशि के वालों का समय अनुकूल रहेगा। भाय जातक का साथ दे सकता है। जातक की लोक-प्रियता में वृद्धि हो सकती है। जातक की लोक-प्रियता में वृद्धि हो सकती है। सकारात्मक सेवा में लगे जातकों के लिए भी समय अनुकूल है। प्रोमोशन या अच्छे सम्बन्ध पर जातक के बाद सकता है। अच्छे मकान या बाहर खिरीदाने का योग जातक के बाद सकता है। व्यवसायिक दृष्टि से सप्ताह अनुकूल होने के कारण जातक बाजार एवं शेयर-मार्केट में पूँजी निवेश करेगा।

सिंह : का, की, कू, घे, मो, टा, टी, दु, टे : इस सप्ताह इस राशि के वालों का समय मिला-जुला रहेगा। जातक का महात्व बढ़ सकता है। जातक अपनी सुख-बुझ से हर कार्यों को कुशलतापूर्वक करने का प्रयास कर सकता है। घूर्णन-पूर्ण एवं धारा-जल के लिए सप्ताहित पर्यावरणीय घटनाएं पर जातक के लिए अधिक सुख-सुविधा प्राप्त हो सकती है। सावधानी बनाये रखें। घृणा-फिले का अवसर जातक को मिल सकता है। व्यवसायिक दृष्टि से सप्ताह अनुकूल होने के कारण जातक बाजार एवं शेयर-मार्केट में पूँजी निवेश करेगा तो बड़े लाभ की स्थिति बन सकती है।

कन्या : दो, पा, पी, पू, ष, ण, ठ, षे, षो : इस सप्ताह इस राशि के वालों का समय मिला-जुला रहेगा। जातक का महात्व बढ़ सकता है। जातक अपनी सुख-बुझ से हर कार्यों को कुशलतापूर्वक करने का प्रयास कर सकता है। घूर्णन-पूर्ण एवं धारा-जल के लिए सप्ताहित पर्यावरणीय घटनाएं पर जातक के लिए अधिक सुख-सुविधा प्राप्त हो सकती है। सावधानी बनाये रखें। घृणा-फिले का अवसर जातक को मिल सकता है। व्यवसायिक दृष्टि से सप्ताह अनुकूल होने के कारण जातक बाजार एवं शेयर-मार्केट में पूँजी निवेश करेगा तो बड़े लाभ की स्थिति बन सकती है।

तुला : रा, री, रू, रे, रो, ना, ती, तु, ते : इस सप्ताह इस राशि के वालों का समय अनुकूल रहेगा। भाय जातक का साथ देगा। जातक अपनी कई कार्य-योजनाओं का विस्तार करने में जातक को सफलता मिल सकती है। घृणा-विवर के लिए अपनी सीनियर मेहमान रहते हुए कोई बड़ी जिम्मेदारी नहीं। घृणा-फिले का अवसर जातक को मिल सकता है। व्यवसायिक दृष्टि से सप्ताह अनुकूल होने के कारण जातक बाजार एवं शेयर-मार्केट में पूँजी निवेश करेगा तो बड़े लाभ की स्थिति बन सकती है।

वृश्चिक : तो, ना, नी, नू, ने, नो, या, ची, यू : इस सप्ताह इस राशि के वालों का समय अनुकूल रहेगा। ज्योति-जायदाद खिरीदाने के लिए भी योग बन सकता है। जातक के कार्यों में व्यवधान या परेंटानी आ सकती है। जिसके कारण जातक दवाव महसूस कर सकता है। इस वीच स्वास्थ्य पर भी थोड़ा अधिक खर्च हो सकता है। सावधानी बनाये रखें। इस वीच विवरणीय घटनाएं पर भी ध्यान बनाये रखें। घृणा-विवर के लिए अधिक सुख-सुविधा प्राप्त हो सकती है। सावधानी बनाये रखें। घृणा-फिले का अवसर जातक को मिल सकता है। व्यवसायिक दृष्टि से सप्ताह अनुकूल होने के कारण जातक बाजार एवं शेयर-मार्केट में पूँजी निवेश करेगा तो बड़े लाभ की स्थिति बन सकती है।

अश्विनी : तो, ना, नी, नू, ने, नो, या, ची, यू : इस सप्ताह इस राशि के वालों का समय अनुकूल रहेगा। ज्योति-जायदाद खिरीदाने के लिए भी योग बन सकता है। जातक के कार्यों में व्यवधान या परेंटानी आ सकती है। जिसके कारण जातक दवाव महसूस कर सकता है। इस वीच स्वास्थ्य पर भी ध्यान बनाये रखें। सर्दी-जुलायाम एवं पेट से संबंधित परेंटानी का योग बन सकता है। सावधानी बनाये रखें। इस वीच विवरणीय घटनाएं पर भी ध्यान बनाये रखें। घृणा-विवर के लिए अधिक सुख-सुविधा प्राप्त हो सकती है। सावधानी बनाये रखें। घृणा-फिले का अवसर जातक को मिल सकता है। व्यवसायिक दृष्टि से सप्ताह अनुकूल होने के कारण जातक बाजार एवं शेयर-मार्केट में पूँजी निवेश करेगा तो बड़े लाभ की स्थिति बन सकती है।

कार्त्तिक : तो, ना, नी, नू, ने, नो, या, ची, यू : इस सप्ताह इस राशि के वालों का समय अनुकूल रहेगा। ज्योति-जायदाद खिरीदाने के लिए भी योग बन सकता है। जातक के कार्यों में व्यवधान या परेंटानी आ सकती है। जिसके कारण जातक दवाव महसूस कर सकता है। इस वीच स्वास्थ्य पर भी ध्यान बनाये रखें। सर्दी-जुलायाम एवं पेट से संबंधित परेंटानी का योग बन सकता है। सावधानी बनाये रखें। इस वीच विवरणीय घटनाएं पर भी ध्यान बनाये रखें। घृणा-विवर के लिए अधिक सुख-सुविधा प्राप्त हो सकती है। सावधानी बनाये रखें। घृणा-फिले का अवसर जातक को मिल सकता है। व्यवसायिक दृष्टि से सप्ताह अनुकूल होने के कारण जातक बाजार एवं शेयर-मार्केट में पूँजी निवेश करेगा तो बड़े लाभ की स्थिति बन सकती है।

दिवंगी : तो, ना, नी, नू, ने, नो, या, ची, यू : इस सप्ताह इस राशि के वालों का समय मिला-जुला रहेगा। ज्योति-जायदाद खिरीदाने के लिए भी योग बन सकता है। जातक के कार्यों में व्यवधान या परेंटानी आ सकती है। जिसके कारण जातक दवाव महसूस कर सकता है। इस वीच स्वास्थ्य पर भी ध्यान बनाये रखें। सर्दी-जुलायाम एवं पेट से संबंधित परेंटानी का योग बन सकता है। सावधानी बनाये रखें। इस वीच विवरणीय घटनाएं पर भी ध्यान बनाये रखें। घृणा-विवर के लिए अधिक सुख-सुविधा प्राप्त हो सकती है। सावधानी बनाये रखें। घृणा-फिले का अवसर जातक को मिल सकता है। व्यवसायिक दृष्टि से सप्ताह अनुकूल होने के कारण जातक बाजार एवं शेयर-मार्केट में पूँजी निवेश करेगा तो बड़े लाभ की स्थिति बन सकती है।

मृग : गू, गे, गो, सा, सी, सू, से, सो, दा : इस सप्ताह इस राशि के वालों का समय अनुकूल रहेगा। भाय जातक का साथ देगा। जातक अपनी कई कार्य-योजनाओं का विस्तार करने में जातक को सफलता मिल सकती है। ही प्रेम संबंध में प्रगाढ़ता आ सकती है। देश-विवर की योगी जातक को मिल सकती है। घृणा-परिवार में बड़ी जिम्मेदारी खड़ी करने से जातक को अवसर हो सकती है। सावधानी बनाये रखें। घृणा-फिले का अवसर जातक को मिल सकता है। व्यवसायिक दृष्टि से सप्ताह अनुकूल होने के कारण जातक बाजार एवं शेयर-मार्केट में पूँजी निवेश करेगा तो बड़े लाभ की स्थिति बन सकती है।

मृग : गू, गे, गो, सा, सी, सू, से, सो, दा : इस सप्ताह इस राशि के वालों का समय अनुकूल रहेगा। भाय जातक का साथ देगा। घैरलू-सुख-सुविधाओं में वृद्धि हो सकती है। अच्छे मकान एवं वाहन का सुख जातक को मिल सकता है। घृणा-विवर के लिए अधिक सुख-सुविधा प्राप्त हो सकती है। सावधानी बनाये रखें। घृणा-फिले का अवसर जातक को मिल सकता है। व्यवसायिक दृष्टि से सप्ताह अनुकूल होने के कारण जातक बाजार एवं शेयर-मार्केट में पूँजी निवेश करेगा तो बड़े लाभ की स्थिति बन सकती है।

मृग : गू, गे, गो, सा, सी, सू, से, सो, दा : इस सप्ताह इस राशि के वालों का समय अनुकूल रहेगा। भाय जातक का साथ देगा। घैरलू-सुख-सुविधाओं में वृद्धि हो सकती है। अच्छे मक



डॉ. एस. के. सैनी

मध्याम जैसलमेर में हमारी एक अद्भुत अंजानी धरोहर है, जो शहर के बीचो-बीच में है। यह जैसलमेर की सबसे बड़ी और सबसे पुरानी हवेली है जो लंबे समय से पर्यटकों के आकर्षण का केंद्र रही है लोग जैसलमेर में शहर के बीचो-बीच पहुंचकर इन हवेलियों के आकर्षण में खो जाते हैं। यह पीले रंग के बलुआ पत्थर से बनी हुई है इसके मुख्य द्वार भी नकाशी से भरपूर है।

यह कुल मिलाकर पांच हवेलियां हैं जो एक दूसरे से सटी हुई हैं। यह जैसलमेर के पीले पत्थर पर बारीक

पटवों की हवेली, जैसलमेर राजस्थान

हमारी अंजानी धरोहर-58



भूमि तल से 8-10 फीट ऊंचे चबूतरे पर बनाई हुई है एक मंजिल भू तल में है बाकी 6 मंजिल ऊपर दिखाई देती है कुल सात मंजिल हवेली है। कांच का कार्बन और नकाशी का कार्य बहुत अद्भुत है जो इसको उसे साथ के रह वासियों के शौकीन तबीयत और शाह खर्च होने की बात दिलाता है। पहले और सबसे बड़ी हवेली का निर्माण 1805 में गुमानचंद पटवा द्वारा करवाया गया था। सरी हुई आसपास की बाजू बाटी हवेलियों का निर्माण उनके अंग्रेजों के द्वारा करवाया गया।

यह हवेली हमें बास्तुकुल की भवत्वा का दर्शन करवाती है।

के बलुई पत्थर से है लेकिन हवेली का प्रवेश द्वार भूरे रंग के पत्थर से बनाया गया है।

यह हवेलियों जैसलमेर के प्रसिद्ध किले से थोड़ी दूर पर ही स्थित है। धीरे-धीरे यहां पर पहच जाते हैं और यहां की पत्थरों की नकाशी को देखकर के आशार्चकित हो जाते हैं बहुत दूर से फोटोग्राफ लेने पर ही इस हवेली की पूरीफोटो सामने आती है। अब हमें नकाशी को फोटो लेना है तो हमें नवीनीकी किसी ज्ञानावेका फोटो लेना पड़ेगा। लोग यहां तरह-तरह के पोंज बनाकर के अपने कोटोप्राप्त खिंचवाते हैं। यह हवेली, ऐसा लगता है कि पत्थरों पर संगीत उंडरा लगता है।

जो जैसलमेर की मरुधारा की बाद काम किए हुए पत्थर संपूर्ण हवेली में लगे हुए हैं। हवेली के अंदर जिक्र का प्रवेश शुरू 200 प्रति चिक्रकला, हवेली के वासियों की व्यक्ति है। इसे लगभग 2 घंटे में देखा स्पर्शी वस्तुएं, कुछ नायाब चीजें जा सकता है। संपूर्ण हवेली पीले रंग उंडरा लगता है।

देख सकते हैं, तो वे अपने लक्ष्य प्राप्त करने के लिए अधिक प्रयास करते हैं।

3. त्वरित प्रतिक्रिया(फीडबैक) प्रदान करना:

शिक्षा में त्वरित फीडबैक (feedback) का महत्व बहुत अधिक है। छात्रों को यह जानेके जरूरत होती है कि वे सभी दिशा में जा रहे हैं या नहीं।

उदाहरण: छात्रों को एक प्रश्नोत्तरी (quiz) हल करने के बाद तुरंत बताया जाता है कि उनके उत्तर सही थे या नहीं। सही उत्तर देने पर उन्हें बैज (badge) या प्रमाणपत्र (certificate) भी दिया जा सकता है।

4. सीखने के रोमांचक बनाना:

गेमिफिकेशन में अनेकों के लिए एक अंक (points), बैज (लखवस्तु), लाइटबोर्ड (श्रेष्ठवशीलेशी) और चैलेज / चुनियों (challenges) को जापिल करना ताकि सीखने की प्रक्रिया अधिक रोचक और इंटरएक्टिव हो सके।

गेमिफिकेशन के माध्यम से छात्र - भागीदारी कैसे बढ़ाई जा सकती है?

1. प्रेरणा और रुचि बढ़ाना:

जब छात्रों को किसी कार्य के लिए एक अंक या इनाम मिलता है, तो वे अधिक प्रेरित होने के लिए उत्तरवाची अंकों के लिए जाते हैं।

उदाहरण: छात्रों को प्रत्येक क्रिज़ - प्रश्नोत्तरी या पाठ प्राप्त करने के बाद अंक दिया जाता है। इन अंकों के आधार पर वे अपने स्तर (लेवल) तक पहुंच सकते हैं या विशेष इनाम जीत सकते हैं।

प्रभाव: छात्र स्वयं अधिक मेन्टेन करते हैं ताकि अधिक अंक प्राप्त होने के लिए एक खेल की ओर प्रेरित होते हैं।

गेमिफिकेशन के माध्यम से छात्र - भागीदारी कैसे बढ़ाई जा सकती है?

2. स्वस्थ प्रतिस्पर्धा को प्रोत्साहित करना:

गेमिफिकेशन में लीडरबोर्ड का उपयोग छात्रों के बीच स्वस्थ प्रतिस्पर्धा को बढ़ावा देता है।

उदाहरण: कक्ष के प्रत्येक लीडरबोर्ड पर खेलने के क्रमानुसार स्कोरिंग करने के लिए एक लीडरबोर्ड पर खेलना होता है, जहां जीवी स्थान के नाम प्रकाशित किए जाते हैं।

प्रभाव: अब अपने लीडरबोर्ड पर खेलने के लिए एक खेल की ओर प्रेरित होते हैं।

गेमिफिकेशन के माध्यम से छात्र - भागीदारी कैसे बढ़ाई जा सकती है?

3. गेमिफिकेशन के माध्यम से छात्रों को अंकों के लिए एक अंक दिया जाता है।

उदाहरण: छात्रों को प्रत्येक क्रिज़ - प्रश्नोत्तरी या पाठ प्राप्त करने के बाद अंक दिया जाता है। इन अंकों के आधार पर वे अपने स्तर (लेवल) तक पहुंच सकते हैं या विशेष इनाम जीत सकते हैं।

प्रभाव: छात्र स्वयं अधिक मेन्टेन करते हैं ताकि अधिक अंक प्राप्त होने के लिए एक खेल की ओर प्रेरित होते हैं।

गेमिफिकेशन के माध्यम से छात्र - भागीदारी कैसे बढ़ाई जा सकती है?

4. गेमिफिकेशन के माध्यम से छात्रों को अंकों के लिए एक अंक दिया जाता है।

उदाहरण: छात्रों को प्रत्येक क्रिज़ - प्रश्नोत्तरी या पाठ प्राप्त करने के बाद अंक दिया जाता है। इन अंकों के आधार पर वे अपने स्तर (लेवल) तक पहुंच सकते हैं या विशेष इनाम जीत सकते हैं।

प्रभाव: छात्र स्वयं अधिक मेन्टेन करते हैं ताकि अधिक अंक प्राप्त होने के लिए एक खेल की ओर प्रेरित होते हैं।

गेमिफिकेशन के माध्यम से छात्र - भागीदारी कैसे बढ़ाई जा सकती है?

5. गेमिफिकेशन के माध्यम से छात्रों को अंकों के लिए एक अंक दिया जाता है।

उदाहरण: छात्रों को प्रत्येक क्रिज़ - प्रश्नोत्तरी या पाठ प्राप्त करने के बाद अंक दिया जाता है। इन अंकों के आधार पर वे अपने स्तर (लेवल) तक पहुंच सकते हैं या विशेष इनाम जीत सकते हैं।

प्रभाव: छात्र स्वयं अधिक मेन्टेन करते हैं ताकि अधिक अंक प्राप्त होने के लिए एक खेल की ओर प्रेरित होते हैं।

गेमिफिकेशन के माध्यम से छात्र - भागीदारी कैसे बढ़ाई जा सकती है?

6. गेमिफिकेशन के माध्यम से छात्रों को अंकों के लिए एक अंक दिया जाता है।

उदाहरण: छात्रों को प्रत्येक क्रिज़ - प्रश्नोत्तरी या पाठ प्राप्त करने के बाद अंक दिया जाता है। इन अंकों के आधार पर वे अपने स्तर (लेवल) तक पहुंच सकते हैं या विशेष इनाम जीत सकते हैं।

प्रभाव: छात्र स्वयं अधिक मेन्टेन करते हैं ताकि अधिक अंक प्राप्त होने के लिए एक खेल की ओर प्रेरित होते हैं।

गेमिफिकेशन के माध्यम से छात्र - भागीदारी कैसे बढ़ाई जा सकती है?

7. गेमिफिकेशन के माध्यम से छात्रों को अंकों के लिए एक अंक दिया जाता है।

उदाहरण: छात्रों को प्रत्येक क्रिज़ - प्रश्नोत्तरी या पाठ प्राप्त करने के बाद अंक दिया जाता है। इन अंकों के आधार पर वे अपने स्तर (लेवल) तक पहुंच सकते हैं या विशेष इनाम जीत सकते हैं।

प्रभाव: छात्र स्वयं अधिक मेन्टेन करते हैं ताकि अधिक अंक प्राप्त होने के लिए एक खेल की ओर प्रेरित होते हैं।

गेमिफिकेशन के माध्यम से छात्र - भागीदारी कैसे बढ़ाई जा सकती है?

8. गेमिफिकेशन के माध्यम से छात्रों को अंकों के लिए एक अंक दिया जाता है।

उदाहरण: छात्रों को प्रत्येक क्रिज़ - प्रश्नोत्तरी या पाठ प्राप्त करने के बाद अंक दिया जाता है। इन अंकों के आधार पर वे अपने स्तर (लेवल) तक पहुंच सकते हैं या विशेष इनाम जीत सकते हैं।

प्रभाव: छात्र स्वयं अधिक मेन्टेन करते हैं ताकि अधिक अंक प्राप्त होने के लिए एक खेल की ओर प्रेरित होते हैं।

गेमिफिकेशन के माध्यम से छात्र - भागीदारी कैसे बढ़ाई जा सकती है?

9. गेमिफिकेशन के माध्यम से छात्रों को अंकों के लिए एक अंक दिया जाता है।

उदाहरण: छात्रों को प्रत्येक क्रिज़ - प्रश्नोत्तरी या पाठ प्राप्त करने के बाद अंक दिया जाता है। इन अंकों के आधार पर वे अपने स्तर (लेवल) तक पहुंच सकते हैं या विशेष इनाम जीत सकते हैं।

प्रभाव: छात्र स्वयं अधिक मेन्टेन करते हैं ताकि अधिक अंक प्राप्त होने के लिए एक खेल की ओर प्रेरित होते हैं।

गेमिफिकेशन के माध्यम से छात्र - भागीदारी कैसे बढ़ाई जा सकती है?

॥ श्री गणेशाय नमः ॥

मंगलमयी कुलदेवी

॥ श्री देवसरमाता नमः ॥

श्री देवसर माता (देवसरथाम) भिवानी

द्वादश अमृत महोत्सव

दिनांक : आज 05.01.2025, रविवार समय : सायं 4 बजे से

स्थान : डिविनिटी पवेलियन 241, गोलाघाटा रोड, लेक टाउन कोलकाता-700048

भजन संध्या, सायं 5.00 बजे से

महोत्सव के कार्यक्रम

सप्त अभिषेक एवं सहस्रार्चन

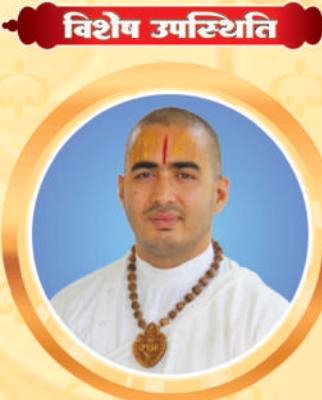
मुख्य अतिथि

- श्री शंकरलालजी दिनोदिया
- श्री रामनारायणजी बंसल
- श्री बलभद्रजी अग्रवाल
- श्री महादेव प्रसादजी लुहारीवाला
- श्री ललित कुमारजी धनानिया
- श्री रामोतारजी राजेशजी बुवानीवाला
- श्री पवनजी अग्रवाल
- श्री सजनजी बंसल
- श्री गोविन्द रामजी ढाणावाला
- श्री अनिलजी जिन्दल
- श्री महेन्द्रजी बोदिया
- श्री पुरुषोत्तम रायजी बंसल
- श्री राधेश्यामजी गुप्ता



पूजन एवं दुर्गा सप्तशती पाठ	: प्रातः 8.30	बजे
सप्त अभिषेक एवं सहस्रार्चन	: प्रातः 10.00	बजे
कन्या पूजन	: दोपहर 12.30	बजे
दीप एवं ज्योत प्रज्वलन	: दोपहर 4.00	बजे
भजन संध्या	: संध्या 5.00	बजे
सवामनी भोग	: संध्या 5.15	बजे
छप्पन भोग	: संध्या 7.30	बजे
भण्डारा प्रसाद	: रात्रि 8.30	बजे
चुनझी महोत्सव	: रात्रि 9.00	बजे
सामूहिक महाआरती	: रात्रि 9.30	बजे

आमंत्रित कलाकारण

अरविन्द शहल
(कोलकाता)देवेन्द्र बेगामी
(कोलकाता)करिश्मा चावला
(कोलकाता)रिंकु गुप्ता
(कोलकाता)सच्चिदानन्द पारीख
उद्धोपकसंत श्री उदित जी महाराज
(श्रीयान बन्दाव)

महोत्सव संरक्षक: श्रीमती विद्या देवी जी दिनोदिया

उत्सव संरक्षक

- | | |
|-----------------------------------|----------------------|
| श्रीमती सावित्रीदेवीजी लुहारीवाला | श्री सजनजी भजनका |
| श्रीमती सुशीलाजी दिनोदिया | श्री महावीर प्रसादजी |
| श्री नरेशजी धनानिया | जय भगवानवीर सांवरिया |

स्वागत समिति

- | | | | |
|----------------------------|---------------------|---------------------------------|---------------------------|
| श्री महेन्द्र कुमार नलवाला | श्री गंगाधरजी जैन | श्री रामलालजी धोणा | श्री बाबूलालजी धनानिया |
| रामबिलास बुवानीवाला | श्री रमेशजी अग्रवाल | श्री रामशरणजी धोणा | श्री दीनदयालजी धनानिया |
| मनीष धनानिया | कफीरचन्द्र अग्रवाल | श्री रामेन्द्र प्रसादजी धनानिया | श्री कवरलालजी बुवानीवाला |
| पवन अग्रवाल | रवि बाबलिया | श्री रोशनलालजी बामलिया | श्री रामवतारजी मिताथिलिया |
| | अशोक कुमार हाडा | मुकेश गर्ग | श्री अवण कुमारजी धोणा |
| | विष्णु धनानिया | ललित धनानिया | श्री शिवशंकरजी शर्मा |
| | ओमप्रकाश दिनोदिया | राकेश लुहारीवाला | |
| | नरेन्द्र बंसल | फकीरचन्द्र अग्रवाल | |
| | कृष्ण गुप्ता | मुकेश गर्ग | |
| | अशोक कुमार हाडा | ललित धनानिया | |

आयोजक : श्री देवसर माता भवत मण्डल

135, कॉटन स्ट्रीट, कोलकाता-700007

सम्पर्क : आनन्द: 9830038940 पवन: 9830355745 संजय: 9830052084 उमेश: 9830025255 मनोज: 9339062300

Courtesy by:



CENTURYPLY®

॥ श्री गणेशाय नमः ॥ श्री हनुमते नमः ॥ श्री ऊँ शिवाय नमः ॥ श्री दुर्गाये नमः ॥ श्री श्याम देवाय नमः ॥

प्रेमियों के मन में आनंद छाया है। पंचवटी आंगन में बाबा आया है ॥

श्री श्याम महोत्सव

ब्रह्मलीन गुरुजी काशीरामजी शर्मा के आशीर्वाद से एवं श्री औंकारमलजी शर्मा की अध्यक्षता में

आलौकिक श्रृंगार

अखण्ड ज्योति

भक्तिपूर्ण भजन

छप्पन भोग



संकीर्तन स्थल

श्री श्याम बाबा मंदिर प्रांगण

पंचवटी काँमप्लोक्स, कैखाली

आज रात्रि 9 बजे तक

आयोजक : श्री श्याम मण्डल नूतन बाजार

सबको आमंत्रण

सीधा प्रसारण



सबका स्वागत

आने-जाने की व्यवस्था हरियाणा भवन, विवेकानन्द रोड से की गई है।

ST PRINT